Sukhdev - 10 Aug

Q- "In the past - Second world war scenario, friends in war did not remain friends in peace." Examine this statement. (15 Marks)

उत्तर- द्वितीय विश्व युद्ध के अन्तिम दौर (विशेषकर 1941 के बाद) तथा उसके बाद के आने वाले वर्षों में पूरे विश्व में 'शीतयुद्ध' के तहत तनाव की स्थिति देखी जाती है, इसके तहत द्वितीय विश्व युद्ध में मित्र रहे देश जैसे - अमेरिका, इंग्लैण्ड व सोवियत संघ के बीच तनाव की स्थिति देखी गयी, हालांकि यह मित्रता रणनीतिक थी, जो परिस्थितियों के अनुरूप थी, विशेषकर नाजी जर्मनी के विरुद्ध। इसके अतिरिक्त यदि अन्य कारणों की खोज की जाये तो ये निम्न है -

1- विशेषकर अमेरिका व सोवियत संघ के बीच विचारधारात्मक संघर्ष, जिसमें प्रत्येक गुट क्रमशः पूंजीवाद व समाजवाद के प्रसार को रोकने के लिए कटिबद्ध था

2- आर्थिक व वित्तीय कारक भी महत्वपूर्ण हुआ था क्योंकि 1945 तक अमेरिका व सोवियत संघ दोनों ही आर्थिक शक्ति बन चुके थे

Scanned by CamScanner

3- पारस्परिक सुरक्षा से अधिक यह महत्वाकांक्षा का भी परिणाम था, सोवियत संघ जर्मनी युद्ध के अंत की घोषणा का लाभ उठाकर अपनी अवस्था को दृढ़ करना चाहता था; वहीं अमेरिका भी अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति को अपने अनुकूल बनाने के लिए प्रतिबद्ध था विशेषकर ब्रिटेन जैसे साम्राज्यवादी देशों के पतन के बाद,

इसके अतिरिक्त पाश्चात्य देशों व सोवियत संघ की एक-दूसरे के प्रति आशंकाएं व शिकायतें थीं - जैसे-

1- सोवियत संघ पर पाश्चात्य शक्तियों ने याल्टा समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया जिसमें विशेषकर पूर्वी यूरोपीय देशों में लोकतांत्रिक सरकार स्थापना की बात थी

2- यूरोप के अतिरिक्त कोरिया, चीन में साम्यवादी प्रसार व सोवियत संघ का उसे सहयोग

3- सोवियत संघ का ईरान, यूनान, भूमध्यसागर में प्रवेश

4- शान्ति संधि के प्रश्न पर असहमति, विशेषत: इटली-यूगोस्लाविया

Scanned by CamScanner

सीमा, हिस्ट तथा प्रतिपूर्ति के प्रश्न पर उभरा मतभेद

5- इसके विपरीत सोवियत संघ का मानना था कि 1941 के बाद पाश्चिमी राष्ट्रों विशेषकर अमेरिका ने जानबूझकर सोवियत संघ के ध्वस्त को बढ़ावा दिया तथा सहायता करने में देरी की। इसके अतिरिक्त, परमाणु बम के प्रश्न पर सोवियत संघ को पहले सूचित ना करना, चर्चिल द्वारा सोवियत संघ को कमजोर करने की बात करना दोनों पक्षों के बीच अविश्वास को बढ़ाने वाले थे।

निश्चित ही इस कटुता का परिणाम विश्व को लगभग 50 वर्ष के युद्ध कालीन तनाव के रूप में झेलना पड़ा।

Scanned by CamScanner

Sukhdev - 10 Aug

Q - "The main pillar of the United Nations is the security council." Comment [10 marks]

उत्तर - द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका से बचाव के बाद शान्ति की सामूहिक सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। हालांकि इसके विभिन्न निकायों में शान्ति की जिम्मेदारी मुख्यत: सुरक्षा परिषद की है जो महासभा के निर्णयों तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर को लागू करने से संबंध रखता है, इसकी महत्ता को इसके निम्न कार्यों के तहत समझा जा सकता है -

1 - जबकि अन्य निकायों के निर्णय बाध्यकारी नहीं है, सुरक्षा परिषद के 'प्रस्ताव (Resolution)' बाध्यकारी है

2 - सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की 'वीटो शक्ति' जो किसी भी बहुमत के निर्णय को रद्द कर सकती है

3 - सामरिक विषयों पर विमर्श व परीक्षण। इसके तहत संयुक्त राष्ट्र परमाणु ऊर्जा आयोग के कार्यों का निरीक्षण भी शामिल

4 - संयुक्त राष्ट्र के प्रवर्तन बाजू (Enforcement Arm) के तहत शान्ति

Scanned by CamScanner

की सुरक्षा के लिए कोई भी अपेक्षित कार्यवाही, इसके तहत स्थल, जल, वायु किसी भी माध्यम से प्रतिबंधक या आक्रामक कार्यवाही भी शामिल

5- किसी नए सदस्य को शामिल करने या बहिष्कृत करने का निर्णय परिषद की अनुशंसा पर होना आदि,

यद्यपि सुरक्षा परिषद के निर्णय को महासभा द्वारा 'शान्ति के लिए संगठन प्रस्ताव (Uniting for Peace Resolution)' के तहत विशेष परिस्थितियों में बदला जा सकता है किन्तु इसका प्रयोग लगातार नहीं हो सकता।

इन्हीं कारणों के चलते सुरक्षा परिषद को संयुक्त राष्ट्र का मुख्य स्तंभ कहा जाता है।

Scanned by CamScanner